an>

Title: Need to maintain properly the jail records showing the names of pesons imprisoned during emergency period in the country.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): अध्यक्ष जी, दिनांक 25 जून, 1975 को देश में तत्कालीन प्रधानमंत्री महोदया द्वारा आपातकाल की घोषणा की गई तथा रात के अंधेरे में लोकतंत्र की हत्या कर दी गई। श्री लोकनायक जयप्रकाश नारायण, श्री अटल बिहारी वाजपेयी, श्री लालकृष्ण आडवाणी, श्री जार्ज फर्नांडीज सहित विपक्ष के प्रमुख नेताओं को कारागार में बंद कर दिया गया। भारत के महान लोकतंत्र की इस कलंक कथा की मैं अधिक चर्चा करने की आवश्यकता नहीं समझता, सम्पूर्ण देश इससे परिचित है।

महोदया, इस तानाशाही को समाप्त करने के लिए देश में लाखों लोकतंत्र सेनानियों ने संघर्ष किया। देश भर में आंदोलन हुए तथा हजारों आंदोलनकारी आजाद देश की जेलों में निरुद्ध हुए तथा उन्होंने यातनाएं सहीं। लोकतंत्र की रक्षा के इस महासंग्राम में मुझे भी 21 महीने कारागार में रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हमें पता है कि अंततः आपातकाल हटा तथा लोकतंत्र की विजय हुई।

महोदया, आपातकाल के विरुद्ध लाखों लोगों द्वारा किए गए इस संघर्ष का कांग्रेस द्वारा सदैव अवमूल्यन करने का प्रयास किया जाता रहा है। इसी क्रम में एक तथ्य को मैं इस सम्मानीय सदन के संज्ञान में लाना चाहता हूं। कारागारों के अभिलेखों से लोकतंत्र के अनेक सैनानियों के नाम गायब हैं। उनके पास तत्कालीन जिलाधिकारियों द्वारा निरुद्ध किए जाने के आदेश मौजूद हैं परन्तु जेल से रिकार्ड गायब हैं।

मेरठ के सर्वश्री हृदय प्रकाश शर्मा, वीरेन्द्र कुमार, डॉ. मदनलाल भटेजा, इनमें से प्रमुख हैं। लोकतंत्र के इस मंदिर में मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इन अभिलेखों की विस्तृत जांच कराई जाए। इसमें षडयंत्र अथवा लापरवाही करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए। जिन लोकतंत्र सेनानियों के नाम जेल-रिकार्ड में नहीं हैं उनकी पहचान के लिए कोई अन्य वैकल्पिक व्यवस्था घोषित की जाए ताकि देश अपने इन लोकतंत्र रक्षकों का यथेष्ट सम्मान करके इनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट कर सके।

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय (चन्दौली) : अध्यक्ष जी, मैं अपने आपको श्री राजेन्द्र अग्रवाल द्वारा उठाए गए मुद्दे से संबद्ध करता हूं।